वर्षः- 06
अंकः- 46
मुरादाबाद
(Saturday)
06 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

AI सेक्टर का नया हब बनेगा भारत, पीएम मोदी बोले- दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत में आकार ले रही

सतत विकास ही भविष्य की राहः विश्व पर्यावरण दिवस पर PM मोदी का संदेश, बोले- संकल्प को और मजबूत करने का समय

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत का ग्रीन कवर बढ़ा है और कई वन्यजीव प्रजातियों की आबादी में वृद्धि हुई है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रहे लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह दिन पर्यावरण की रक्षा और सतत विकास

(सस्टेनेबल ग्रोथ) के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करने का अवसर है।पीएम ने दी शुभकामनाएं- प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस की सभी को शुभकामनाएं। मैं पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित सभी लोगों की सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें पर्यावरण की सुरक्षा और सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए अपने संकल्प को दोहराने की याद दिलाता है।

हरित क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का किया जिक्र- प्रधानमंत्री ने पिछले एक दशक में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि भारत की प्रमुख उपलब्धियों में हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) का विस्तार और कई वन्यजीव प्रजातियों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि शामिल है।

मोदी ने देशवासियों की भी प्रशंसा की और कहा कि लोगों ने यह साबित किया है कि सामूहिक प्रयास, प्रभावी नीतियां, विज्ञान पर विश्वास और नवाचार के जरिए पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार और जनता की साझी भागीदारी से पर्यावरण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं। गौरतलब है कि विश्व पर्यावरण दिवस हर वर्ष 5 जून को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा वर्ष 1973 में शुरू किया गया यह दिवस आज पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर जन-जागरूकता का दुनिया का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। हर साल करोड़ों लोग इस अभियान से जुड़ते हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। वर्ष 2026 में विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी अजरबैजान करेगा। समय के साथ यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय मंच बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। एयरट्रंक ने भारत में करीब 3 लाख करोड़ रुपये निवेश कर पांच गीगावॉट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने की योजना बनाई है। कंपनी के सीईओ रॉबिन खुदा ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे आकर्षक डिजिटल निवेश केंद्रों में शामिल हो चुका है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को लेकर दुनिया की बड़ी कंपनियों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है और अब वैश्विक कंपनियां भारत को भविष्य के बड़े टेक्नोलॉजी केंद्र के रूप में देख रही हैं। इसी कड़ी में एयरट्रंक ने भारत में करीब 3 लाख करोड़ रुपये यानी 30 अरब डॉलर निवेश करने की योजना का ऐलान किया है। कंपनी देश में 5 गीगावॉट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करेगी। इसे भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अब तक के सबसे बड़े प्रस्तावित निवेशों में माना जा रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह निवेश भारत को क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी,द्ध के वैश्विक केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े निवेश से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय सप्लाई चेन को भी मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था का अहम केंद्र बनता जा रहा है। उनका कहना था कि भविष्य की डिजिटल दुनिया का आकार अब भारत में तय हो रहा है। मोदी ने इसे देश की डिजिटल ताकत और स्थिर नीतियों का बड़ा संकेत बताया।एयरट्रंक के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रॉबिन खुदा ने कहा कि अब,द्ध की दौड़ सिर्फ तकनीक तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत ने खुद को दुनिया के सबसे आकर्षक डिजिटल निवेश केंद्रों में शामिल कर लिया है। रॉबिन खुदा ने कहा कि उनकी कंपनी के इतिहास में यह सबसे बड़े डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यक्रमों में से एक होगा। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले जब कंपनी भारत आई थी, तब की तुलना में अब यहां अवसर और भी बड़े दिखाई दे रहे हैं। यही वजह है कि कंपनी भारत में अपने निवेश का दायरा बढ़ा रही है। डेटा सेंटर और एआई सेक्टर को इससे क्या फायदा होगा? विशेषज्ञ मानते हैं कि इतने बड़े निवेश से भारत में डेटा सेंटर उद्योग को नई रफ्तार मिलेगी। ,द्ध, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण दुनिया भर में बड़े डेटा सेंटर की जरूरत बढ़ रही है। भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और सरकारी सेवाएं भी तेजी से डिजिटल हो रही हैं। ऐसे में बड़े डेटा सेंटर देश की डिजिटल जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। इससे स्टार्टअप, टेक कंपनियों और डिजिटल कारोबार को भी फायदा मिलने की उम्मीद है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए यह निवेश कितना अहम? भारत पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल इंडिया, 5त,द्ध और क्लाउड टेक्नोलॉजी पर तेजी से काम कर रहा है। सरकार लगातार विदेशी निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। एयरट्रंक का यह बड़ा निवेश दिखाता है कि वैश्विक कंपनियां भारत को लंबे समय के लिए भरोसेमंद डिजिटल बाजार मान रही हैं। इससे भारत की वैश्विक टेक्नोलॉजी ताकत और मजबूत होगी। साथ ही आने वाले वर्षों में देश डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और,द्ध सेक्टर में दुनिया के बड़े केंद्रों में शामिल हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मानवता और न्याय के सामने AI सबसे बड़ी कानूनी चुनौती, सीजेआई बोले- इस दशक के फैसले तय करेंगे भविष्य

सीजेआई सूर्यकांत ने लंदन में आयोजित एक व्याख्यान में कहा कि एआई अंतरराष्ट्रीय कानून के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने कहा कि,द्ध का प्रभाव उसके उपयोग के कानूनी और नैतिक ढांचे पर निर्भर करता है। आइए विस्तार से जानते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एआई को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि एआई अब केवल एक कल्पनात्मक तकनीक नहीं, बल्कि एक वास्तविकता बन चुकी है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस दशक में लिए जाने वाले निर्णय तकनीक, शक्ति, स्वतंत्रता और न्याय के बीच भविष्य के संबंधों को निर्धारित करेंगे।ब्रिटेन के बर्कबेक, लंदन विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इंटरनेशनल लॉ विषय पर आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि तकनीक न तो स्वभाव से अच्छी होती है और न ही बुरी। नैतिक ढांचे के भीतर उपयोग करता है। कानून की जिम्मेदारी तकनीकी प्रगति का विरोध करना या उसके सामने बिना सवाल झुक जाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी शक्ति संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक वैधता और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनी रहे।उन्होंने कहा कि एआई शासन, व्यापार, युद्ध, संचार, सार्वजनिक प्रशासन और यहां तक कि न्यायिक एवं संप्रभु शक्तियों के इस्तेमाल को भी तेजी से प्रभावित कर रहा है।

सीएम योगी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का किया शुभारंभ, बोले- पर्यावरण संकट मानव निर्मित आपदा

सीएम योगी ने कहा कि पर्यावरण संकट एक मानव निर्मित आपदा है। इसका समाधान हमें ही निकालना है। इस अवसर पर उन्होंने वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान का भी शुभारंभ किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर लखनऊ के कुकरेल वनक्षेत्र में वृक्षारोपण कर एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। आज प्रदेश भर में पांच करोड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण के गंभीर संकट से ग्रसित है क्योंकि हर कोई जानता है कि यह एक मानव निर्मित संकट है और इसका समाधान हमें ही करना है। पर्यावरण संकट के कारण हम लोग हर वर्ष मौसम चक्र में बदलाव सहित अतिवृष्टि और अनावृष्टि जैसी स्थितियों को देखते हैं।उन्होंने कहा कि ऐसे में जरूरी है कि हर व्यक्ति पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले कार्य से खुद को दूर करे और पर्यावरण संरक्षण करने वाले कार्यों से जुड़े।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक से राज्यसभा के लिए भरा नामांकन, बोले- सर्वसम्मति से मुझे चुना गया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर राहुल गांधी, डीके शिवकुमार, सिद्धारमैया समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। खरगे ने कहा कि उन्हें पार्टी नेताओं और विधायकों का सर्वसम्मत समर्थन मिला है व उन्हें कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत का भरोसा है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बंगलूरू स्थित विधान सौधा में उन्होंने विधानसभा सचिव एमके विशालाक्षी के समक्ष नामांकन पत्र जमा किया।नामांकन दाखिल करने के बाद खरगे ने कहा कि आज मैंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। सभी विधायकों और मेरे नेताओं ने सर्वसम्मति से मुझे चुना है। चुनाव 18 जून को होने हैं और मुझे विश्वास है कि सभी एकजुट रहेंगे और कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करेंगे।कई दिग्गज कांग्रेस नेता रहे मौजूद- इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, केसी वेणुगोपाल और राज्य सरकार के कई मंत्री मौजूद रहे। खरगे वर्तमान में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। उनका राज्यसभा कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो रहा है, जिसके चलते उन्होंने पुनः उच्च सदन के लिए नामांकन दाखिल किया है।

होटल-कैसीनो के लिए कट रहे पेड़ः ग्रेट निकोबार परियोजना पर राहुल ने उठाए सवाल, कहा- अदाणी की मदद कर रही सरकार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि रक्षा के नाम पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है। परियोजना का असली मकसद होटल, कैसीनो और रियल एस्टेट विकास को बढ़ावा देना है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का यह तर्क है कि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना रक्षा और माल ढुलाई बंदरगाह से संबंधित है। यह एक झूठ है। इसके साथ ही आरोप लगाया कि यह असल में भारत की सबसे अमूल्य पारिस्थितिक भूमि पर एक व्यवसायी को होटल और कैसीनो बनाने में मदद करने के बारे में है।राहुल गांधी ने अप्रैल के अंत में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अपनी यात्रा पर आधारित 16 मिनट से अधिक का एक वीडियो जारी किया। एक्स पर वीडियो के साथ अपनी पोस्ट में गांधी ने कहा, 'मैंने भारत के सबसे दक्षिणी छोर का दौरा किया। मैं इंदिरा प्वाइंट पर खड़ा हुआ। मैं सदियों पुराने पेड़ों के नीचे चला। मैंने पृथ्वी पर सबसे जीवंत प्रवाल भित्तियों में गोता लगाया। मैं वहां रहने वाले लोगों के साथ बैठा। आदिवासी समुदाय, जिनकी जमीन वन अधिकार अधिनियम का उल्लंघन करके छीनी जा रही है। भारतीय सरकार द्वारा इन द्वीपों पर बसाए गए कई पूर्व सैनिक, जिन्हें उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है।'आईएनएस बाज का विस्तार कीजिए, हम साथ हैं% लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, %मोदी सरकार और भाजपा आपको बताते हैं कि ग्रेट निकोबार परियोजना रक्षा से संबंधित है। ऐसा नहीं है। उन्होंने आगे कहा आईएनएस बाज का विस्तार कीजिए। हम सरकार का पूरा समर्थन करेंगे। नौसेना पिछले पांच वर्षों से विस्तार की मांग कर रही है, जिसे नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को बता रही है कि यह परियोजना एक माल परिवहन बंदरगाह के बारे में है। जबकि ऐसा नहीं है।उन्होंने बताया कि भारत पहले से ही केरल में एक ऐसा संयंत्र बना रहा है, जो मुख्य भूमि पर स्थित है। उन्होंने आरोप लगाया, %वास्तव में हुआ यह है- 1.5 करोड़ पेड़ काटे गए। सरकारी नक्शों से प्रवाल भित्तियों को मिटा दिया गया। सैनिकों और आदिवासियों को विस्थापित किया गया। क्योंकि एक व्यवसायी भारत की सबसे अमूल्य पारिस्थितिक भूमि पर होटल और कैसीनो बना सके।% उन्होंने कहा, %मैंने जिन भी युवा भारतीयों से बात की है। वह सभी इस बात को समझते हैं। आप जानते हैं कि किसी भी तरह का मुनाफा उस चीज को नष्ट करने के लायक नहीं है जिसे कभी वापस नहीं पाया जा सकता। हजारों पेड़ों को काट कर बाहर भेजते हैं गांधी ने कहा कि वह पारिस्थितिक रूप से संतुलित विकास के पक्षधर हैं। उन्होंने दावा किया कि ये द्वीप दुनिया के सबसे असाधारण टिकाऊ पर्यटन स्थल बन सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यही वह भारत है जिसके लिए लड़ना सार्थक है। यह वह है जो मोदी नहीं चाहते कि आप देखें। योजना क्या है? राहुल गांधी ने वीडियो में कहते हैं योजना यह है कि आप इन हजारों पेड़ों को काटते हैं। उन्हें अवैध रूप से बाहर भेजते हैं। अरबों-खरबों डॉलर कमाते हैं। उस पैसे का इस्तेमाल आप अपने होटल, कैसीनो और रियल एस्टेट बनाने में करते हैं। यही हो रहा है। लोगों से जमीन छीन रहे हैं- उन्होंने बताया कि जिस क्षेत्र की बात हो रही है, वह नई दिल्ली के आकार से लगभग चार गुना बड़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस परियोजना का निर्माण देश के सबसे स्वच्छ पारिस्थितिक वातावरण में कर रही है। गांधी का आरोप है, वह उन लोगों से जमीन छीन रहे हैं, जिन्हें वहां बसाया गया था। वह आदिवासियों से भी जमीन छीन रहे हैं।% गांधी कहते हैं, आईएनएस बाज भी तट पर है। असल बात यह है कि वह गौतम अडानी की मदद करना चाहते हैं और यह अपराधी भारतीय जमीन हड़पने के लिए नौसेना और सेना की आड़ ले रहे हैं। वह कह रहे हैं कि वह एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट बनाना चाहते हैं, लेकिन यह संभव नहीं है क्योंकि वह पहले से ही केरल में एक बंदरगाह बना रहे हैं, जो मुख्य भूमि पर है, इसलिए यह पहला झूठ है।% होटल और गेस्ट हाउस का रक्षा में क्या भूमिका- आगे वह वीडियो में कहते हैं कि दूसरा मुद्दा। कृपया मुझे समझाएं कि होटल और गेस्ट हाउस हमारे देश की रक्षा में कैसे भूमिका निभाते हैं। इनका आपस में क्या संबंध है। वह एक और झूठ बोल रहे हैं कि इस जंगल में प्रति हेक्टेयर 145 पेड़ हैं। इस जंगल में कुछ मीटर के दायरे में 145 पेड़ हैं।

संपादकीय Editorial

This is Shimla's disaster.

Shimla, how much peace is left in your arms? Should we go and tell you or see your wounds? If lawyers are on the streets, how will the court deliver justice? And if law and order is on the streets, who should we complain to? On Monday, the High Court premises erupted on the road, and the traffic jam became a thorny one. The state has no idea how many lawyers in the High Court lose the peace of their attendance on the road every day or, in the chaos, find a reason to park their vehicles in the parking lot. This uproar over parking space shouldn't have been government versus lawyers, but the entire atmosphere was sacrificed on the restricted road of Shilli Chowk-Chhota Shimla. Both sides want to drink the nectar of duty as a demonstration of their duty, but the shield of the unbalanced capital has been broken. The police were supposed to remove vehicles parked on restricted land, but this time the lawyer community asked for an alternative, or rather, made it clear that it is the right of ordinary citizens to seek their rights and convenience in the arms of Shimla. Clearly, two standards cannot exist in the same city. One person is asked for a permit, while the other is allowed to pass by in broad daylight. Shimla's plight is that here, being a VIP is a hobby, or a group of privileged people constantly belittle the common citizen. A distinction can be made between lawyers' needs and their stubbornness. The need is that when the evidence of advocacy becomes effective in the High Court complex, lawyers will be busy. Now, Shimla's behavior has changed, and the pace of daily life has changed. Now, if VIPs are free, even Mall Road will be in a state of turmoil with the testing of vehicles. After all, Shimla's lawyers are the city's advocates. If they are successful, vehicles will flock to the courts. The government only needs to provide comfortable parking for lawyers' vehicles. This requires alternatives to restricted routes, and this problem exists even in district-level court complexes. Ironically, no one cares about the petitioners who consider the courts to be gods. Lawyers and judges are dignified figures in every court complex, but the facilities for those who seek legal recourse are never advocated. If the High Court also has to accommodate vehicles carrying appeals, hearings, and petitioners seeking legal relief, the entire environment will become chaotic. Court complexes must be relocated outside the city limits instead of being crowded or located within the city. For the past forty years, a permanent High Court bench has been demanded in Dharamshala. If this demand is met, many cases and lawyers will be eliminated. Furthermore, to restore Shimla's former glory, nearby Waknaghat should be developed as an administrative-staff city, where major offices, courts, and government residences can be relocated. The issue here is not about lawyers versus the government, but about the needs and amenities of urban development. We have previously argued that Shimla and the surrounding areas need to be developed under the "State Capital Region." Himachal Pradesh should also be developed under "cluster city planning," where two or three cities work together to develop amenities based on available land. Traffic plans should be developed for each city to ensure that the increasing vehicle load does not narrow the roads.

Semiconductor Movement Gains Momentum

With the Tata-SML contract, the Micron plant operations, and ISM 2.0, it's clear that India's semiconductor strategy is moving from concept to reality. The Tata-ASML contract has accelerated India's chip manufacturing. Dholera, Gujarat, is becoming India's leading semiconductor hub. India is gaining strategic autonomy in the chip supply chain. The importance of semiconductors is no secret. It's a positive sign that India has also begun to rapidly expand its manufacturing footprint. During Prime Minister Narendra Modi's recent visit to the Netherlands, a contract was signed between the leading company ASML and Tata Electronics. ASML is considered one of the world's leading suppliers of advanced lithography systems, the backbone of modern semiconductor manufacturing. This contract symbolizes that India is no longer limited to being a consumer or assembler in the global electronics ecosystem, but is focusing on establishing itself across the entire value chain. This agreement is crucial for Tata's proposed $11 billion chip manufacturing plant in Dholera, Gujarat. Dholera is also seen as India's semiconductor hub. India's approach to semiconductors is driven by economic, strategic, and geopolitical implications. From an economic perspective, the country is heavily dependent on semiconductor imports due to the rapid growth of electronics consumption. In today's era, where chips have become the backbone of emerging sectors ranging from automobiles and telecommunications to defense systems, artificial intelligence (AI), and digital infrastructure, reducing external dependence on basic materials has become a crucial component of self-reliance and economic security. The geopolitical context is equally important. Global semiconductor production is primarily concentrated in Taiwan, South Korea, China, and the United States. Factors ranging from the COVID-19 pandemic to technological tensions between the United States and China have contributed to the disruption of this supply chain. This has demonstrated the potential cost of concentrated supply chains. As a result, major global manufacturers and governments have adopted a "China Plus One" policy to encourage production diversification outside of China. In this regard, India, with its large market, demographic depth, and growing geopolitical importance, is presenting itself as an attractive alternative hub. From a strategic perspective, the implications of semiconductor manufacturing are not limited to commercial interests. Control over secure and reliable chip supply chains is now deeply intertwined with national security, particularly in areas such as defense electronics, cyber infrastructure, telecommunications, and AI-driven technologies. Consequently, the semiconductor landscape has emerged as a new frontier of competition among superpowers, and India's entry into this sector underscores its willingness to adapt to changing global realities. New Delhi has also designed its policy framework with this in mind. Under this, initiatives such as the India Semiconductor Mission (ISM), with an allocation of ?76,000 crore, and financial assistance of up to 50 percent for approved chip manufacturing projects have been launched. Such incentives are rarely offered anywhere else in the world. The Union Budget also expanded the scope of ISM 2.0, focusing on semiconductor equipment, materials, intellectual property development, supply chain resilience, and R&D capabilities. It is clear that India's strategy focuses on integrating and leveraging its dispersed capabilities. Several projects related to the semiconductor initiative are now becoming operational. Gujarat remains a hub for these activities. The Tata-Powerchip fabrication project is being established in Dholera, while Micron's ATMP unit is being established in Sanand. Assam has successfully secured Tata's OSAT project, while Uttar Pradesh is establishing itself strongly on the scene through the HCL-Foxconn joint venture near Noida International Airport. The Uttar Pradesh Semiconductor Policy 2024 clearly demonstrates how state governments are accelerating this process by complementing central incentives through additional capital subsidies, tax exemptions, concessions in land rates, electricity concessions, and skill development initiatives. This convergence between central strategic vision and state-level competitiveness is gradually creating a geographically comprehensive semiconductor ecosystem. Despite progress at many levels, challenges lie ahead. Chip manufacturing is an industry that requires massive capital investment. Equally important are ensuring a reliable and sustainable water supply, uninterrupted power availability, a skilled working population, and an efficient supply chain. In the current world, export controls, geopolitical tensions, factionalism, and competition are increasing, and this sector is not immune to the impact. The combined impact of these factors will influence the future of the sector. The Tata-SML contract, the Micron plant operations, and ISM 2.0 are crucial. It's clear that India's semiconductor strategy is moving from concept to reality. It's laying the foundation for a long-term industrial revolution. Positioning itself as a major player in the global semiconductor landscape will not only bring India economic benefits but also strategic autonomy, where technological capabilities are increasingly playing a crucial role in the balance of power.

12 Years of Successes and Failures

It is not only necessary, but also imperative, that the Modi government, while recounting its 12-year achievements, should seriously consider the failures that have led to growing unrest in the country. The abrogation of Article 370, the construction of the Ram Temple, and the elimination of Maoism. Unprecedented infrastructure development, a leader in digital transactions. Challenges such as education, justice, corruption, and inflation remain. The Modi government is about to complete 12 years in office. It is certain that it will highlight its achievements on this occasion. The BJP is launching a campaign to inform people about the Modi government's achievements and public welfare schemes. Undoubtedly, the Modi government has much to boast about, and it is every government's right to inform the public about them. The Modi government's achievements are a long list. These achievements include many bold decisions, some of which were difficult to imagine any government would have taken, such as the abrogation of Article 370 from Jammu and Kashmir, the air strikes against Pakistan, and Operation Sindoor. Both military operations were significant in that they marked the first time in the world that a nuclear-armed country carried out air strikes against another nuclear-armed country. Although the Supreme Court cleared the way for the construction of the Ram Temple in Ayodhya, if it had not been for the Modi government, this path would likely have remained blocked, and the construction of the Ram Temple would not have been completed as quickly. The Modi government is also moving forward towards its third core agenda: the Uniform Civil Code. The implementation of GST is also one of the government's major achievements. While demonetization was also a bold decision, it did not yield the positive results that were expected. The elimination of Maoism is also a major achievement of the Modi government. Until a few years ago, the elimination of Maoism seemed impossible, but the Modi government, and especially Home Minister Amit Shah, made it possible, and that too within the stipulated time. The last 12 years have seen unprecedented progress in infrastructure development. Roads have been rapidly constructed across the country. Similarly, bridges, power plants, airports, and rail facilities have been developed. Rural development schemes have also gained momentum. Digitalization has also progressed rapidly in the country, making India a global leader in digital transactions. Along with development, there is also a long list of impressive public welfare schemes. These schemes have transformed the lives of the common man. Schemes such as toilet construction, Ujjwala scheme, housing, electricity, Ayushman Bharat, Kisan Samman Nidhi, and free rations have truly benefited the people. The Jan Dhan Yojana is a great example of financial inclusion for the poor. These schemes have helped lift millions out of poverty. The Modi government has proven its ability to effectively implement public welfare schemes. During these 12 years, significant progress has also been made on the national security front. If the BJP-led NDA has governments in 22 states today, a major reason for this is the Modi government's policies. The BJP has succeeded in forming governments in some states once considered invincible. Today, the opposition is finding it difficult to counter it. Regardless of the government, every scheme fails to meet the standards. This is the case with some of the Modi government's schemes. Schemes like Make in India and Atmanirbhar Bharat have failed to deliver the expected results. The goal of doubling farmers' income has also not been achieved. Issues like inflation and unemployment typically plague every government. These remain challenging for the Modi government as well. Now, as the Modi government is about to extol its 12 years of achievements, someone should draw its attention to the fact that it has failed on some fronts where it should have achieved success, such as transforming education and examinations. However, even after the new education policy, the state of education remains unsatisfactory, and the state of examinations, especially competitive exams, is abysmal. The central and state governments are in the same boat in this matter. Question papers are leaked frequently. A major failure of the Modi government is its inability to make justice accessible and accessible. A weak judicial system is a major obstacle to the country's development. Another major obstacle is the rampant corruption in government work. Corruption seems to be incurable. Corruption exists everywhere construction takes place, and wherever government permissions, approvals, etc. are required, there is also quid pro quo. The Smart City project has also been a total failure, and our cities, while telling the story of haphazard development, remain a major obstacle to the goal of a developed India. It is not only necessary, but imperative, that the Modi government, past 12 years, seriously consider its failures, which are causing growing unrest in the country.

बच्चों के सामने पत्नी को मार डाला, ईंट और हथियार से किए वार, छह साल पहले किया था प्रेम विवाह

मैनाठेर के रसूलपुर हमीर गांव में पति ने पत्नी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी।

वारदात के समय घर में तीन छोटे बच्चे मौजूद थे। आसपास के लोगों के आने के बाद आरोपी भाग गया। मैनाठेर थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर हमीर में शुक्रवार सुबह विवाद के बाद युवक ने कथित तौर पर पत्नी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी।

घटना के समय घर में दंपती के तीन छोटे बच्चे मौजूद थे। वारदात के बाद आरोपी पति मौके से भाग गया। उसके ससुरालियों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। गांव निवासी सना (25) का करीब छह वर्ष पहले गांव के ही नसीम से प्रेम विवाह हुआ था। दोनों के तीन

बच्चे हैं। शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ।

मौके पर ही तोड़ दिया दम- आरोप है कि इसके बाद नसीम ने सना पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर दिए। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतका का मायका घटनास्थल से करीब 100 मीटर की दूरी पर है। बताया गया कि वारदात के बाद सना की छह वर्षीय बेटी आयत दौड़कर अपनी नानी के घर पहुंची और घटना के बारे में बताया। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। परिजनों के अनुसार नसीम ट्रक चालक है और तीन दिन पहले काम पर गया था। वह बृहस्पतिवार देर शाम ही ट्रक लेकर गांव लौटा था। मृतका के पिता इमरान का आरोप है कि नसीम उनकी बेटी को लंबे समय से दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। उन्होंने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर उनकी बेटी की हत्या की गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घटना में तीन अन्य लोगों की भी भूमिका हो सकती है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जाएगी। फरार आरोपी की तलाश के लिए टीमें लगाई गई हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

48 वर्ष बाद मिला न्याय: संभल के 1978 दंगा पीड़ित परिवार को मिला भूमि का पट्टा, उपद्रव के बीच कर दी थी हत्या

संभल के 1978 दंगा पीड़ित परिवार को 48 वर्ष बाद न्याय मिला है। प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने दिवंगत रामशरण रस्तोगी की पुत्रवधू को 100 वर्गमीटर आवासीय भूमि का पट्टा सौंपा और भूमि पूजन कर नींव रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह भूमि आवंटित की गई है।संभल में 1978 के दंगे से पीड़ित परिवार के साथ न्याय हुआ। 48 वर्ष बाद पीड़ित परिवार को 100 वर्गमीटर का आवासीय भूमि का पट्टा आवंटित किया गया है।

इस आवंटन के अभिलेख जिले के प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने पीड़ित परिवार को सौंपे। साथ ही भूमि पूजन कर नींव भी रखी गई है।बृहस्पतिवार को जिले के प्रभारी मंत्री ने शेरखां सराय में रुक्मन रस्तोगी को भूमि का पट्टाभिलेख सौंपा। यह पट्टा दिवंगत रामशरण रस्तोगी के बेटे सुभाष चंद्र की पत्नी रुक्मनी रस्तोगी को सौंपा गया है। वर्ष

1978 में 29 मार्च के दंगे में रामशरण रस्तोगी की हत्या हो गई थी।उनके बेटे सुभाष चंद्र रस्तोगी ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला था। इसके बाद परिवार संभल से पलायन कर गया था। पिछले वर्ष रामशरण रस्तोगी के पौत्र कपिल रस्तोगी ने अपनी माता के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी।मुख्यमंत्री के निर्देशों पर रामशरण की पुत्रवधू रुक्मन रस्तोगी को यह भूमि आवंटित की गई है। डीएम ने कहा कि पुनर्वास की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। डीएम ने बताया कि आवंटित भूमि पर पहले कब्रिस्तान की भूमि बताकर अवैध कब्जा कर लिया था, जिसे कब्जामुक्त कराया गया था। इस दौरान पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी व भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में यह लोग रहे मौजूद- इस दौरान एडीएम सत्यप्रिय सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, एसडीएम निधि पटेल, सीओ कुलदीप सिंह, क्षेमनाथ तीर्थ के महंत बाल योगी दीनानाथ, भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (पश्चिमी क्षेत्र) राजेश सिंघल, पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी, नगर पालिका बहजोई अध्यक्ष राजेश शंकर, संजय पोली आदि मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री ने दंगा पीड़ितों के पुनर्वास को बताया ऐतिहासिक, कहा-अब आजादी मिली- जिले के प्रभारी मंत्री जेपीएस. राठौर ने कहा कि वर्ष 1978 के दंगों से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का यह पल भावुक है। कहा कि यह एक ऐतिहासिक कदम भी है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में शांतिपूर्ण वातावरण है। शासन, प्रशासन और पुलिस ने सभी वर्गों को न्याय दिलाने का कार्य किया है।

प्रदेश अब दंगामुक्त वातावरण की ओर बढ़ रहा है। कानून का राज स्थापित हुआ है। दंगा पीड़ित परिवारों ने वर्षों तक कठिन परिस्थितियों का सामना किया है। अब उनके जीवन में सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व का नया अध्याय शुरू हो रहा है।

राठौर ने अधिकारियों को अन्य दंगा प्रभावित परिवारों के मामलों का भी शीघ्र निस्तारण करने का निर्देश दिया है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इन परिवार को अब आजादी मिली है। वैसे तो देश 1947 में आजाद हो चुका है लेकिन दंगा पीड़ित परिवारों को संभल में अब आजादी मिली है। दंगा पीड़ित परिवारों को संभल में बसाने का प्रयास - एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि दंगा प्रभावित परिवारों के मामलों की जांच जारी है। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर दंगा पीड़ित परिवारों को पुन: संभल में बसाने की प्रक्रिया शुरू हुई है। उन्होंने पलायन कर चुके परिवारों से जिला प्रशासन से संपर्क करने की अपील की है। कहा कि ऐसे पीड़ित परिवार पुलिस-प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं। जांच के बाद उन्हें भी भूमि आवंटन की जाएगी।

10 परीक्षा केंद्रों पर 28,224 अभ्यर्थी देंगे पुलिस भर्ती परीक्षा, DM और SP ने की तैयारियों की समीक्षा

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. नितिन यादव की मौजूदगी में परीक्षा तैयारियों की समीक्षा निष्पक्ष और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के गए।जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि प्रतिदिन दो पालियों में परीक्षा आयोजित होगी। होंगे। प्रत्येक पाली में 4,704 अभ्यर्थी परीक्षा तथा दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों तथा संबंधित हुए पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य और गोपनीयता किसी भी स्तर पर प्रभावित नहीं यातायात पुलिस को निर्देशित किया कि परीक्षा परेशानी न हो। सभी परीक्षा केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, बैकअप के लिए जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित को प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर मेडिकल टीम और

गौड़ की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा को शांतिपूर्ण, लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जिले में 8, 9 और 10 जून को 10 परीक्षा केंद्रों पर तीन दिनों में कुल 28,224 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल देंगे। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तक आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी सेक्टर और अधिकारियों को परीक्षा की संवेदनशीलता को समझते करने के निर्देश दिए। कहा कि परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता होनी चाहिए। डीएम ने रोडवेज, परिवहन विभाग और के दौरान अभ्यर्थियों को आवागमन में किसी प्रकार की निर्बाध बिजली आपूर्ति, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और पावर करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी एंबुलेंस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही अभ्यर्थियों के बैग और अन्य सामान रखने के लिए क्लॉक रूम की व्यवस्था करने को कहा। एसपी ने दिए जरूरी निर्देश- एसपी लखन सिंह यादव ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों के प्रत्येक हिस्से की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि कैमरों की कवरेज ऐसी हो कि केंद्र का कोई भी हिस्सा निगरानी से बाहर न रहे। एसपी ने कहा कि बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और जोया पुलिस चौकी पर परीक्षा सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने पार्किंग और यातायात व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगे अमरोहा। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, यूएसबी ड्राइव, कैमरा, डिजिटल पेन, हेल्थ बैंड, इलेक्ट्रॉनिक चाबियां समेत सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगे। अभ्यर्थियों को केवल प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र और पेन के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।ये है परीक्षा केंद्र- जिले में परीक्षा के लिए ए.के.के. इंटर कॉलेज, भगवत सरन इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, आईएम इंटर कॉलेज, जेएसएच इंटर कॉलेज, जेएस हिंदू पीजी कॉलेज ब्लॉक-ए, जेएस हिंदू पीजी कॉलेज ब्लॉक-बी, कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज तथा सिख इंटर कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

चौकी के सामने सेवानिवृत्त दरोगा के बेटे को मारी गोली, 25 हजार का इनामी मुठभेड़ में गिरफ्तार

लाइनपार चौकी के सामने हुए गोलीकांड में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी मनीष को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद

गिरफ्तार कर लिया। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। विवेक उर्फ सोनू को गोली मारने के मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।मझोला की लाइनपार पुलिस चौकी के सामने पीएसी के सेवानिवृत्त दरोगा धनीराम के बेटे विवेक कुमार उर्फ सोनू को गोली मारने में वालों में शामिल रहे 25 हजार के इनामी बदमाश मनीष को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पैर में गोली लगी है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। सिविल लाइंस के कांशीराम नगर मऊ निवासी पीएसी से सेवानिवृत्त दरोगा धनीराम ने मझोला थाने में सोमवार की रात रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि सोमवार को उनके बेटे विवेक उर्फ सोनू के साथी आर्यन चौधरी का बुद्धि विहार गोल चक्कर पर नारियल के कारोबार को लेकर जीशान से विवाद हो गया था।सोमवार की रात यह लोग लाइन पार चौकी में समझौता करने गए थे। समझौता करने के बाद विवेक और उसके साथी आर्यन व अन्य लोग अपने अपने घर लौट रहे थे। रात करीब पौने नौ बजे पुलिस चौकी के सामने ही मझोला के बैंक कॉलोनी निवासी वरुण ठाकुर, दीपक, अंकित, मनीष, संतोष और अमन ठाकुर ने घेर लिया और फायरिंग शुरू कर दी। विवेक के कंधे में गोली लगी और वह घायल हो गया था। घटना के बाद आरोपी दिल्ली रोड की ओर भाग गए थे। एसएसपी ने आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि पुलिस टीमें आरोपी की तलाश में जुटी थी। बृहस्पतिवार की रात सूचना मिली कि एक आरोपी मनीष नया मुरादाबाद में मौजूद हैं। पुलिस ने उसकी घेराबंदी की तो आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग करते हुए अमरोहा के डिडौली थाना क्षेत्र के टोडी वाजिदपुर निवासी मनीष को गिरफ्तार कर लिया। उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हज यात्रा-2027: अगले साल हज यात्रा की है तैयारी, जान लीजिए पासपोर्ट वैधता को लेकर ये नियम

हज कमेटी ऑफ इंडिया के नियम के अनुरूप हज कमेटी उत्तर प्रदेश ने हज-2027 के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सऊदी अरब सरकार के हज एवं उमराह मंत्रालय द्वारा जारी प्रारंभिक प्रपत्र के अनुसार इच्छुक हज यात्रियों को अभी से आवश्यक तैयारियां पूरी करनी होंगी।हज कमेटी ऑफ इंडिया के नियम के अनुरूप हज कमेटी उत्तर प्रदेश ने हज-2027 के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

सऊदी अरब सरकार के हज एवं उमराह मंत्रालय द्वारा जारी प्रारंभिक प्रपत्र के अनुसार इच्छुक हज यात्रियों को अभी से आवश्यक तैयारियां पूरी करनी होंगी। जल्द होगी हज 2027 की घोषणा- जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि जारी निर्देशों के मुताबिक हज-2027 की आधिकारिक घोषणा जल्द की जाएगी। हज आवेदन के लिए मशीन पठित (मशीन रीडेबल) पासपोर्ट अनिवार्य होगा, जबकि हस्तलिखित पासपोर्ट मान्य नहीं होंगे। आवेदन करने वाले यात्रियों के पास ऐसा पासपोर्ट होना चाहिए जिसकी वैधता 31 दिसंबर 2027 तक हो। पासपोर्ट करवा लें रीन्यू- उन्होंने बताया कि नया पासपोर्ट बनवाते समय सरनेम अथवा लास्ट नेम का कॉलम खाली नहीं छोड़ा जाए। जिन आवेदकों के पास 31 दिसंबर 2027 तक वैध पासपोर्ट नहीं है, उन्हें तत्काल पासपोर्ट कार्यालय में आवेदन कर पासपोर्ट रीन्यू कराने की सलाह दी गई है, जिससे हज की घोषणा के बाद ऑनलाइन आवेदन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विश्व पर्यावरण दिवस पर बरेली पुलिस का हरित संकल्प, SSP सहित अन्य अधिकारियों ने भी किया वृक्षारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बरेली पुलिस ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पुलिस कार्यालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बरेली के नेतृत्व में अधिकारियों ने पौधारोपण कर हरित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में एसपी उत्तरी, एसपी सिटी, एसपी दक्षिणी, सीओ/एएसपी कार्यालय तथा सीओ/एएसपी हाईवे सहित अन्य अधिकारियों ने भी सहभागिता की। सभी अधिकारियों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्षारोपण से न केवल हरियाली बढ़ेगी बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण भी मिलेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर, एक पेड़ माँ के नाम: रायश्री में कलेक्टर ने बच्चों को दिया हरियाली का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के ग्राम रायश्री स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने विद्यार्थियों, ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कलेक्टर श्री वर्मा ने %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान के तहत सभी छात्र-छात्राओं को कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है।

उन्होंने नागरिकों से ऐसे पौधों का चयन करने का आग्रह किया जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक लाभ भी प्रदान कर सकें। कलेक्टर ने शिक्षण संस्थानों, विभागीय छात्रावासों एवं सार्वजनिक परिसरों में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने पर जोर दिया।

जन्मदिन पर पौधा लगाने का दिया संदेश- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने जन्मदिन और अन्य विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसके संरक्षण का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा भविष्य में स्वच्छ वातावरण, शुद्ध वायु और बेहतर जीवन का आधार बनेगा। रण संरक्षण का संकल्प लेने और उसे व्यवहार में उतारने का आह्वान किया।पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ- कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजय राज, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव, योग आयोग अध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा, विधायक देवेंद्र जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, जनपद अध्यक्ष हेमलता रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

समर्थ मिश्रा के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब, बोले- संगठन और जनता की आवाज़ बनकर करूंगा काम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी में सदस्य मनोनीत होने के बाद पहली बार बरेली पहुंचे युवा समाजवादी नेता समर्थ मिश्रा का उनके आवास पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों ने फूल-मालाओं एवं मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया। पूरे दिन समर्थकों का आवास पर तांता लगा रहा और बधाई देने वालों की भीड़ उमड़ती रही।

स्वागत समारोह एवं प्रेस वार्ता के दौरान समर्थ मिश्रा ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल एवं पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी में मिली जिम्मेदारी को वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं बल्कि बरेली जनपद के प्रत्येक समाजवादी कार्यकर्ता की मेहनत और समर्पण का सम्मान है। प्रदेश नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं की वर्षों की मेहनत को सम्मान देने का कार्य किया है।

समर्थ मिश्रा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता संगठन को और मजबूत करना, युवाओं को पार्टी से जोड़ना तथा जनता की आवाज को मजबूती से पार्टी मंच तक पहुंचाना होगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, भाईचारे और जनहित की राजनीति करने वाली पार्टी है और इन्हीं मूल्यों को लेकर वह आगे बढ़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह लंबे समय से बरेली जनपद एवं कैंट विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं और सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तथा जनहित के कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार जनता के बीच कार्य कर रहे हैं। संगठन की मजबूती और जनता का विश्वास ही किसी भी कार्यकर्ता की सबसे बड़ी पूंजी होती है। प्रेस वार्ता में उन्होंने समाजवादी विचारधारा और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के समन्वय पर बल देते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा और वरिष्ठजनों के अनुभव के साथ समाजवादी आंदोलन को नई दिशा और मजबूती दी जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में सुभाषनगर क्षेत्र में समर्थ मिश्रा द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा कार्यक्रम में उमड़ी हजारों की भीड़ ने उन्हें राजनीतिक और सामाजिक चर्चाओं के केंद्र में ला दिया था।

बीरा में अवैध खाद कारोबार पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 124 बैग उर्वरक जब्त, बिना लाइसेंस भंडारण व बिक्री करने वाले के खिलाफ केस दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में खाद की कालाबाजारी और अवैध भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर पिछोर एसडीएम ममता शाक्य ने ग्राम बीरा में छापामार कार्रवाई कर अवैध रूप से भंडारित 124 बैग उर्वरक जब्त किए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बीरा निवासी ब्रजमोहन उर्फ मुन्ना गुप्ता के दुकान एवं गोदाम का निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यक्ति मौके पर उपस्थित नहीं मिला तथा उसका मोबाइल फोन भी बंद पाया गया। इसके बाद कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने पंचों की मौजूदगी में गोदाम की तलाशी ली।

निरीक्षण में कुल 124 बैग उर्वरक बरामद हुए, जिनमें 94 बैग यूरिया (एनएफएल कंपनी), 27 बैग सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) तथा 3 बैग एनपीके उर्वरक शामिल हैं। जांच में सामने आया कि संबंधित व्यक्ति के पास उर्वरक भंडारण एवं विक्रय के लिए कोई वैध अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) नहीं थी, बावजूद इसके बड़े पैमाने पर उर्वरकों का भंडारण और बिक्री की जा रही थी।

प्रशासन ने इसे उर्वरक नियंत्रण नियमों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए तत्काल कार्रवाई की। मामले में चौकी खोड़, थाना भौंती में उर्वरक (गुण नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा 8 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण दर्ज कराया गया है।

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने जिले के सभी एसडीएम को खाद की कालाबाजारी और अवैध भंडारण पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महजबीन ने धर्म बदला: लक्ष्मी नाम रखकर विशाल से की शादी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शीशगढ़ के जाफरपुर गांव की महजबीन ने पड़ोस के बल्ली गांव के विशाल से विवाह किया। शादी से पहले महजबीन ने अपना धर्म बदला और उसका नाम लक्ष्मी रखा गया। यह प्रक्रिया अगस्त्य मुनि आश्रम में आचार्य केके शंखधार ने पूरी की।महजबीन और विशाल आठवीं कक्षा से एक-दूसरे को जानते थे। वे तभी से एक-दूसरे को पसंद करते थे। इंटरमीडिएट पास करने के बाद दोनों बालिग हो गए। उनके धर्म अलग होने के कारण परिवार वाले शादी के लिए तैयार नहीं थे। इसके बाद दोनों ने विवाह करने का फैसला किया। वे अगस्त्य मुनि आश्रम पहुंचे और वहां धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी की।लक्ष्मी बोलीं- हमें सनातन धर्म में विश्वास लक्ष्मी ने बताया कि वह सनातन धर्म में विश्वास रखती है। यहां (हिंदू धर्म) में तीन तलाक और हलाला जैसी कुप्रथाएं नहीं हैं। हिंदू धर्म में महिलाओं को बुर्का या नकाब नहीं पहनना पड़ता है। महिलाओं को अभिव्यक्ति की पूरी आजादी मिलती है। लक्ष्मी विशाल के साथ पहले भी मंदिर जाती रही है।

मंझगवां में लगा जनकल्याण का महाकैम्प

मौके पर सुलझीं 117 से अधिक समस्याएं, महिलाओं व बुजुर्गों को मिली योजनाओं की जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विकास खण्ड मंझगवां में शुक्रवार को महिला कल्याण विभाग एवं समाज कल्याण विभाग की ओर से जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और लाभार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता एवं लाभार्थी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा के संयुक्त निर्देशन में किया गया।

शिविर में क्षेत्र की महिलाओं, वृद्धजनों एवं ग्रामीणों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, महिला हेल्पलाइन-181, वन स्टॉप सेंटर सहित महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह, पियूष वर्मा (प्रतिनिधि सांसद आंवला), जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर, जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा, शिवानी एडीओ समाज कल्याण सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर के दौरान निराश्रित महिला पेंशन एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से जुड़े 70 लाभार्थियों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से 56 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं समाज कल्याण विभाग से संबंधित 110 लाभार्थियों में से 61 समस्याओं का तत्काल समाधान किया गया। शेष मामलों में आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर नियमानुसार कार्रवाई के लिए आवेदन जमा किए गए।

होटलों में अग्नि सुरक्षा का बड़ा अभियान, फायर विभाग ने किया सघन निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महा निदेशक अग्निशमन एवं आपात सेवा के निर्देश पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी मनु शर्मा के नेतृत्व में फायर विभाग की टीम ने शहर के प्रमुख होटलों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। इस अभियान का संचालन अग्निशमन अधिकारी संजीव कुमार द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान होटल चियर रॉयल, होटल कासा डिवाइन, दिव्य होटल तथा होटल क्लार्क्स इन सहित कई प्रतिष्ठानों की फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं को परखा गया। जांच में स्थापित अग्निशमन उपकरण कार्यशील अवस्था में पाए गए। फायर विभाग की टीम ने होटल स्टाफ को आग लगने की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दी तथा मॉक ड्रिल के माध्यम से आग बुझाने के व्यावहारिक तरीके भी समझाए। अधिकारियों ने होटल प्रबंधकों को निर्देशित किया कि भवनों के सभी निकास द्वार हर समय अवरोधमुक्त रखें तथा अग्निशमन उपकरणों की नियमित टेस्टिंग और रखरखाव सुनिश्चित करें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मां के नाम एक पौधा: विश्व पर्यावरण दिवस पर बरेली में हरियाली का महाअभियान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जनपद भर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय विद्यालय रेलवे ग्राउंड, इज्जतनगर में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने पीपल का पौधा रोपित कर अभियान का शुभारंभ किया और लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से कम से कम एक पौधा लगाने की अपील करते हुए कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण और स्वच्छ वायु के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण में जनसहभागिता पर जोर दिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने पौधारोपण किया। इस दौरान स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठनों और आईटीबीपी के जवानों ने पर्यावरण जागरूकता रैली निकालकर संरक्षण का संदेश दिया। वन विभाग के अनुसार जुलाई 2026 में जनपद बरेली में लगभग 36 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

महिला ने चुन्नी से फंदा लगाकर की आत्महत्या, पांच साल पहले हुई थी शादी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू की। मृतका की पहचान 30 वर्षीय रवीना के रूप में हुई है, जो इकरार की पत्नी थी। यह घटना हरुनगला इलाके में हुई, जहां रवीना अपने कमरे की चौखट में चुन्नी से लटकी मिली। पुलिस को पीआरबी के माध्यम से इस घटना की सूचना मिली थी। पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर फील्ड यूनिट को भी सूचित किया। रवीना के पिता तस्सुवर बरेली के कैंट थाना क्षेत्र के भौआपुर गांव के निवासी हैं। रवीना की शादी करीब पांच वर्ष पहले हुई थी। उसके दो छोटे बच्चे हैं, जिनमें चार साल की बेटी मायशा और दो साल का बेटा दानिश शामिल हैं। रवीना का पति इकरार वर्तमान में जयपुर में रहकर जरी का काम करता है। पुलिस मामले में अग्रिम विधि कार्रवाई कर रही है और आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

11 हजार वोल्ट लाइन की चपेट में आने वाले विपिन के परिवार ने मांगी डीएम से मदद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भमौरा थाना क्षेत्र के गांव कुंडरिया के इखलासपुर निवासी एक महिला ने डीएम को शिकायती पत्र देकर अपने पति को बिजली लाइन पर काम कराने के दौरान गंभीर रूप से झुलसने के मामले में कार्रवाई की मांग की है। महिला का आरोप है कि लापरवाही और दबाव के चलते उसके पति की जान पर बन आई है। शिकायत के अनुसार गांव निवासी विपिन बिजली लाइनमैन के रूप में कार्य करता था। 16 मई को गांव के एक व्यक्ति द्वारा उसे खराब बिजली लाइन ठीक करने के लिए अपने साथ ले गया।

पत्रकार राज संघ में विनय पटेल की ताजपोशी, डिजिटल मीडिया को मिला नया नेतृत्व

क्यूँ न लिखूँ सच /जबलपुर। पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय और निर्भीक लेखनी के लिए पहचाने जाने वाले विनय पटेल को पत्रकार राज संघ के प्रदेश अध्यक्ष (डिजिटल मीडिया सेल), मध्य प्रदेश पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति से पत्रकारिता जगत, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है।

विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए सफल कार्यकाल और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

पत्रकार राज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार तिवारी द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार विनय पटेल को पूरे मध्य प्रदेश में डिजिटल मीडिया सेल के संगठनात्मक विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने उन पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए अपेक्षा जताई है कि वे प्रदेश के सभी जिलों में संगठन को मजबूत करेंगे तथा पत्रकारों के अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान के लिए प्रभावी रूप से कार्य करेंगे।

संगठन द्वारा निश्चित किया गया है कि अभी एक माह के भीतर प्रदेश एवं जिला स्तर की कार्यकारिणियों का गठन कर उनकी जानकारी केंद्रीय कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए।

यह जिम्मेदारी मिलने पर विनय पटेल ने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में पत्रकारों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में पत्रकारों की समस्याओं, अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएंगे। साथ ही युवा पत्रकारों को संगठन से जोड़कर उन्हें उचित मार्गदर्शन और मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

पत्रकारों, सामाजिक संगठनों एवं बुद्धिजीवियों ने विश्वास व्यक्त किया कि विनय पटेल के नेतृत्व में पत्रकार राज संघ को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उनकी नियुक्ति से प्रदेश के पत्रकारों को एक सशक्त मंच प्राप्त होगा, जहां उनकी आवाज को मजबूती के साथ उठाया जा सकेगा तथा पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी पहल संभव हो सकेगी। पत्रकार राज संघ परिवार एवं पत्रकारिता जगत की ओर से नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष (डिजिटल मीडिया सेल) विनय पटेल को हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चितरंगी परियोजना कार्यालय में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / मानस मिश्रा / चितरंगी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर परियोजना कार्यालय चितरंगी अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र चितरंगी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी श्री सत्येंद्र सोंधिया, ब्लॉक समन्वयक श्री प्रीतेश देव सिंह, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना समय की आवश्यकता है। वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित बनाए रखते हैं, बल्कि मानव जीवन, वन्यजीवों तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अमूल्य धरोहर हैं।

परियोजना अधिकारी श्री सत्येंद्र सोंधिया ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने सभी से अपील की कि वृक्षारोपण को केवल एक दिवस तक सीमित न रखते हुए इसे जनआंदोलन का रूप दें।

ब्लॉक समन्वयक श्री प्रीतेश देव सिंह ने भी हरित एवं स्वच्छ वातावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पेड़-पौधे पृथ्वी के फेफड़े हैं और इनके बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण तथा हरित भविष्य के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प लिया। वृक्षारोपण के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि प्रकृति की रक्षा ही मानवता की रक्षा है और एक स्वस्थ पर्यावरण ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य प्रदान कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

डीएम व एसएसपी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र उझानी, जनपद बदायूँ में जिलाधिकारी बदायूँ श्री अवनीश कुमार राय एवं एसएसपी सुश्री अंकिता शर्मा द्वारा वृक्षारोपण किया गया । वृक्षारोपण अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। अधिकारियों द्वारा निर्देश दिए कि जनपद के लिए निर्धारित वृक्षारोपण के लक्ष्य को हर हाल में समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए । केवल पौधा लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और उचित देखभाल भी सुनिश्चित की जाए वृक्षारोपण के दौरान प्रभागीय वन अधिकारी सुश्री निधि चौहान, थाना प्रभारी उझानी एवं अन्य अधिकारी / कर्मचारीगण मौजूद रहे। साथ ही साथ जनपद बदायूँ के समस्त थाना परिसर में वृक्षारोपण कराया जा रहा है तथा वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष पौधारोपण कराए जाने के निर्देश दिए गए है।

आरक्षी भर्ती परीक्षा को लेकर ट्रैफिक अलर्ट, 8, 9 और 10 जून को रहेगा भारी वाहनों का डायवर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के मद्देनजर 8, 9 और 10 जून 2026 को जनपद में विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। अभ्यर्थियों की सुविधा और सुचारू यातायात संचालन के लिए प्रतिदिन सुबह 5 बजे से रात 8 बजे तक भारी वाहनों का डायवर्जन रहेगा। पुलिस प्रशासन के अनुसार दिल्ली, रामपुर, मुरादाबाद, लखनऊ, शाहजहांपुर, पीलीभीत और बदायूं की ओर जाने वाले भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों को बड़े बाईपास, विलयधाम, विल्वा पुल, इन्वर्टिस तिराहा और ट्रांसपोर्ट नगर मार्ग से होकर गुजरना होगा। वहीं बारादरी, प्रेमनगर, इज्जतनगर, सीबीगंज, कोतवाली, किला एवं हाफिजगंज क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थी दोपहिया वाहन, ऑटो और ई-रिक्शा से आसानी से पहुंच सकेंगे। बरेली कॉलेज और बरेली इंटर कॉलेज केंद्र वाले परीक्षार्थियों को पश्चिमी गेट (कालीबाड़ी मंदिर की ओर) से प्रवेश दिया जाएगा, जबकि पूर्वी गेट परीक्षा दिवस पर बंद रहेगा। पुलिस अधीक्षक यातायात मो. अकमल खान ने परीक्षार्थियों और उनके परिजनों से अपील की है कि वे पर्याप्त समय लेकर घर से निकलें तथा निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बिजली का खंभा गिरने से महिला की मौत, 24 घंटे में प्रशासन ने पहुंचाई 4 लाख की मदद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में आई तेज आंधी एक परिवार के लिए दर्दनाक हादसा बन गई। ग्राम मिलक वमनपुरी निवासी सुमन लता की बिजली का खंभा गिरने से गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौत हो गई। हादसे के बाद जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई की और मृतका के परिजनों को मात्र 24 घंटे के भीतर चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी। बताया गया कि 30 मई 2026 को आई तेज आंधी के दौरान ग्राम मिलक वमनपुरी जाने वाले मार्ग पर बिजली का खंभा गिर गया। उसी समय सुमन लता अपने पति मान सिंह और बेटे के साथ हाफिजगंज से दवा लेकर घर लौट रही थीं। खंभे की चपेट में आने से उनके सिर में गंभीर चोट लगी, जिसके बाद उनकी मृत्यु हो गई। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) संतोष कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासन ने मामले की जांच और सभी आवश्यक औपचारिकताएं प्राथमिकता के आधार पर पूरी कीं। शासन की राहत नीति के तहत मृतका के पति मान सिंह को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर तत्काल उपलब्ध करा दी गई। प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही से शोकग्रस्त परिवार को कठिन समय में आर्थिक संबल मिला है।

स्वार में दलित-मुस्लिम और पिछड़ों को एकजुट कर रहे राजू सागर, भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था का दिया भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच /रामपुर की विधानसभा स्वार टांडा 34 में राजू सागर पूर्व जिला प्रभारी आसपा आजाद समाज पार्टी को 2027 में सत्ता में लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं स्वार विधानसभा की जनता ने भी मन बना लिया है अगर आजाद समाज पार्टी राजू सागर को 2027 विधानसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाती है प्रचंड जीत हासिल करेंगे साथ ही स्वार विधानसभा की जनता के बीच जाकर राजू सागर दलित मुस्लिम

पिछड़ों का भाईचारा बनाने में लगे हुए हैं राजू सागर ने कहा कि अगर आजाद समाज पार्टी ने मुझे मौका दिया और स्वार विधानसभा की जनता का आशीर्वाद मिला स्वार विधानसभा की जनता के लिए सभी जाति धर्मो के काम क्या जाएगा

भ्रष्टाचार जड़ से खत्म किया जाएगा अवैध खनन भी खत्म किया जाएगा कन्या डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे साथ ही राजू सागर ने कहा यदि पार्टी को मुझसे मजबूत प्रत्याशी मिलता है तो मैं अपने टिकट का त्याग करूंगा और पार्टी के लिए तन मन धन से काम करूंगा

युवाओं से कहा-एक पौधा लगाएं, उसकी देखभाल कर पर्यावरण बचाएं : पूर्व मंत्री आबिद रजा

क्यूँ न लिखूँ सच /बदायूं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री एवं स्टार प्रचारक आबिद रजा और सांसद आदित्य यादव के प्रतिनिधि अनिल आनन्द ने नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

पूर्व मंत्री एवं स्टार प्रचारक आबिद रजा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और हरियाली के बिना मानव जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पौधे केवल प्रकृति का श्रृंगार नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की भी गारंटी हैं।

पूर्व मंत्री ने कहा कि वह गांव-गांव जाकर पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से नीम, पीपल और बरगद जैसे छायादार एवं जीवनदायी वृक्ष लगाने का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने इन वृक्षों को सामाजिक न्याय, समानता और समरसता का प्रतीक बताते हुए कहा कि जैसे ये पेड़ बिना किसी भेदभाव के सभी को छाया और शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, उसी प्रकार समाज में भी समानता और भाईचारे की भावना मजबूत होनी चाहिए।

पूर्व मंत्री आबिद रजा ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन संभव है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आगे आकर हरित अभियान का हिस्सा बनने और पर्यावरण बचाने की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी पर्यावरण संरक्षण और पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान पर्यावरण जागरूकता, हरियाली बढ़ाने और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया।

राजकीय मेडिकल कालेज, बदायूँ में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में राजकीय मेडिकल कालेज बदायूँ के रक्त केन्द्र विभाग में विश्व हिन्दू महासंघ (बदाँयू) के सौजन्य से माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के 55वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में स्वैच्छिक रक्तदान का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्‌घाटन ,राजकीय मेडिकल कालेज, बदायूँ के प्रधानाचार्य प्रोफेसर डा0 शिव कुमार द्वारा किया गया। शिविर में 15 लोगों द्वारा पंजिकरण कराया गया जिसमें कुल 10 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया। प्रधानाचार्य प्रो0 डा0 शिव कुमार एवं रक्त केन्द्र प्रधारी डा0 वैशाली सिहं द्वारा रक्तदान शिविर का संचालन व उनके द्वारा रक्तदाताओ को सर्टिफिकिट व ब्लड डोनेशन कार्ड उपलब्ध कराये गयें। गत बर्ष में राजकीय मेडिकल कालेज बदायूँ में कुल 999 ब्लड डोनेशन हुए जिसमें 61 लोगों ने कैम्प के माध्यम से स्वैच्छिक रक्तदान किया। संस्थान में ब्लड डोनेशन कम्पोनेंट्स बनाने की सुविधा भी उपलब्ध हैं। इस अवसर पर मेडिकल कालेज के कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग से प्रो0 डा0 अरूण कुमार, पैथोलॉजी विभाग से डा0 श्रवण कुमार भार्गव व डा0 श्वेता कनौजिया ,एनॅाटमी विभाग से डा0 मुकत्याज हुसैन,

फार्माकोलाजी विभाग से डा0 लालेन्द्र यादव एवं फिजियोलॉजी विभाग से डा0 पुनीत कुमार, व रक्त केन्द्र विभाग के डा0 मयंक गोयल आदि उपस्थित रहे। इस आयोजन को सफल बनाने में रक्त केन्द्र विभाग के लैब टैक्निीकल सुपरवाइजर श्री रजनीश कुमार पटेल, नर्सिंग आफिसर सालवी राठौर, कल्पा यादव, चमन कुमार एवं राजू सिहं व सिराज हुसैन का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ब्रज चौरासी परिक्रमा श्री कृष्ण जन्म स्थल मथुरा से परिक्रमा प्रारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / मायावती अहिरवार/विदिशा - मथुरा ब्रिज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग, भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ विदिशा जिला अध्यक्ष हाकम सिंह रघुवंशी एवं उनकी टीम 84 कोस परिक्रमा यात्रा में सहभागिता भक्ति रस का आनंद लेते हुए आज तीसरा दिन राजस्थान के महामाया माता के दर्शन 84 कोस परिक्रमा मैं पूर्ण फल माता महामाया के दर्शन से ही प्राप्त होता है बद्रीनाथ ,तप्त कुंड स्नान दर्शन भगवान बद्री विशाल, रामेश्वर ,श्री नारायण जहां भजन होता है श्रीमन नारायण नारायण दोपहर विश्राम

यह परिक्रमा मार्ग तीन राज्य से होकर गुजरता है जिसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान ,हरियाणा, श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह भंडारे व्यवस्था निरंतर चल रही है दानदाताओं की तरफ से जिसकी साहााणा सभी श्रद्धालुओं के द्वारा की जा रही है परिक्रमा में यह प्रत्यक्ष दर्शी पूरा परिक्रमा मार्ग जन जन श्रद्धापूर्वक देश विदेश के श्रद्धालुओं का सैलाब से भरा हुआ है। जिसमें भक्ति रस से गुण रहा है संपूर्ण 84 कोस परिक्रमा मार्ग जिसमें सभी श्रद्धालु एक ही आस्था के रंग में हम हो गए दीवानी राधा नाम के भजनों की प्रस्तुतियां जगह-जगह गांव शहर श्री कृष्ण के भजनों से गूंज रहा सारा ब्रिज मंडल भक्ति के रंग में आनंद हो रहा है जहां अमृत वर्षा हो रही है श्री राधे कृष्ण के नाम की। आज दिन शुक्रवार रात्रि विश्राम केदारनाथ भगवान के धाम में विश्राम एमपी के विदिशा जिले से कई हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता परिक्रमा में की जा रही है।

उचित दर विक्रेता की दुकान की आपूर्ति बाधित, 41 लाभार्थियों के बयान पर कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / प्रशासन द्वारा राशन वितरण में अनियमितताओं के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कोंच तहसील के ग्राम बरौदा कलां स्थित एक उचित दर विक्रेता की दुकान की आपूर्ति तत्काल प्रभाव से बाधित कर दी गई है। जांच में कुल 41 राशनकार्डधारकों के शपथपत्र/बयान लिए गए। सभी ने बताया कि ई-पॉस मशीन से आधार प्रमाणीकरण के बाद भी उन्हें निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न दिया जा रहा था। साथ ही विक्रेता द्वारा अभद्र व्यवहार की शिकायत भी की गई। ग्राम बरौदा कलां निवासी श्री जगजीवन पुत्र हरनारायण की पत्नी के नाम जारी राशनकार्ड संख्या 216540615256 पर दिनांक 31.05.2026 को दोपहर 1:00 बजे कम तौल की शिकायत हुई। लाभार्थी द्वारा वीडियो बनाने पर विक्रेता के नाती अंकित द्वारा मोबाइल छीनकर तोड़ दिया गया और अंगूठा लगने के बाद भी खाद्यान्न नहीं दिया गया। जांच के दौरान भौतिक सत्यापन में बड़ी विसंगति मिली।

प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए उचित दर विक्रेता की दुकान की खाद्यान्न आपूर्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई है। दुकान से संबद्ध समस्त राशनकार्डधारकों को असुविधा न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है श्री शिवाकांत, उचित दर विक्रेता, ग्राम पंचायत-चमेड़ की दुकान से अब राशन वितरण होगा। संबंधित विक्रेता श्री मंशाराम, ग्राम-बरौदा कलां को 15 दिन के भीतर समस्त साक्ष्यों सहित लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर नियमानुसार दुकान के निलंबन/निरस्तीकरण की अग्रिम विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गरीबों के राशन में किसी भी प्रकार की हेराफेरी या बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत मिलने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित है।

उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / 08, 09 एवं 10 जून को प्रतिदिन दो पालियों में होगी परीक्षा, 09 केंद्रों पर 19,584 अभ्यर्थी होंगे शामिल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 को नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं परीक्षा केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित यह परीक्षा जनपद में 08, 09 एवं 10 जून 2026 को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक संपन्न होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में परीक्षा के लिए कुल 09 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। केंद्रों पर तीनों दिनों की छः पालियों में कुल 19,584 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। प्रत्येक पाली में 3,264 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षा के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु 09 केंद्र व्यवस्थापक, 09 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 09 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 09 सह केंद्र व्यवस्थापक, 09 परीक्षा सहायक, इसके अतिरिक्त 03 रिजर्व सेक्टर मजिस्ट्रेट, 03 रिजर्व स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं 03 रिजर्व केंद्र व्यवस्थापक भी नामित किए गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा तथा अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं सत्यापन की प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों के भीतर किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। अभ्यर्थी मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, हेडफोन, कैलकुलेटर, डिजिटल डायरी, कैमरा, पेन ड्राइव अथवा अन्य किसी भी इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरण को परीक्षा केंद्र में नहीं ले जा सकेंगे। प्रवेश से पूर्व सभी अभ्यर्थियों की सघन जांच एवं सत्यापन कराया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष निगरानी रखी जाएगी। परीक्षा को प्रभावित करने वाले किसी भी व्यक्ति अथवा समूह के विरुद्ध तत्काल कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा प्रारंभ होने से लेकर समाप्ति तक प्रत्येक गतिविधि पर सतर्क दृष्टि रखी जाए तथा किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक योगेंद्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी, जोनल, सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेट केंद्र व्यवस्थापक सहित जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, लंबित आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करें बैंक - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जिलाधिकारी ने बैंकवार समीक्षा कर खराब प्रगति पर लगाई फटकार, पात्र युवाओं को शीघ्र ऋण उपलब्ध कराने के दिए निर्देश जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक में बैंकवार लंबित आवेदनों, स्वीकृत एवं वितरित ऋणों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में किया जाए तथा पात्र युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।जिलाधिकारी ने पाया कि विभिन्न बैंकों के पास बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं, जबकि स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। ऐसे में बैंकों द्वारा अनावश्यक विलंब करना बर्दाश्त नहीं होगा।उपायुक्त उद्योग ने बताया कि विभिन्न बैंकों को कुल 872 आवेदन प्रेषित किए गए हैं, जिनके सापेक्ष मात्र 159 आवेदन स्वीकृत किए गए तथा केवल 83 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया है। जिलाधिकारी ने इस स्थिति पर बैंक अधिकारियों फटकार लगाते हुए लंबित प्रकरणों का विशेष अभियान चलाकर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।उन्होंने विशेष रूप से उन बैंकों की समीक्षा की जिनके पास बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं। भारतीय बैंक के पास 257, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के पास 222 तथा भारतीय स्टेट बैंक के पास 145 आवेदन प्रेषित किए गए हैं। जिलाधिकारी ने इन बैंकों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों की व्यक्तिगत समीक्षा कर पात्र आवेदकों को शीघ्र स्वीकृति एवं ऋण वितरण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि योजनाओं की सफलता तभी संभव है जब पात्र युवाओं को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध हो। उन्होंने उपायुक्त उद्योग एवं लीड बैंक प्रबंधक को निर्देश दिए कि बैंकवार प्रगति की सतत निगरानी की जाए तथा जिन बैंकों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सभी बैंक इस योजना को प्राथमिकता पर लेते हुए अधिक से अधिक युवाओं को लाभान्वित करें।

इस अवसर पर परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, उपायुक्त उद्योग धर्मेंद्र भास्कर, लीड बैंक मैनेजर अनुराग सक्सेना सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जालौन ने रचा हरियाली का नया अध्याय, 'एक पेड़-माँ के नाम' अभियान में 10.37 लाख से अधिक पौधों का रोपण

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा तथा मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में संचालित 'एक पेड़-माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत जनपद जालौन में अभूतपूर्व स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले भर में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों की सहभागिता से पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश दिया गया।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि जनपद के सभी विकास खण्डों, नगर निकायों और ग्राम पंचायतों में अभियान के तहत अमृत सरोवरों, तालाबों, गौशालाओं, सड़कों तथा सार्वजनिक स्थलों पर 10 लाख 37 हजार से अधिक पौधे लगाए गए।

फलदार एवं स्थानीय प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ-साथ उनका संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

गौसेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं, गौ संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत का आधार

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकास खण्ड डकोर स्थित गौशाला में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सामूहिक रूप से गौसेवा कर संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय तथा पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने गौशाला पहुंचकर गोवंश को गुड़ एवं चना खिलाया, वृक्षारोपण किया और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के दौरान सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ माता का विशेष स्थान है। गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह करुणा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ वास्तविक रूप से धरातल तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की संयुक्त जिम्मेदारी है। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि गौशालाएं मात्र आश्रय स्थल नहीं, बल्कि पशुधन संरक्षण के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गोवंश की समुचित देखभाल, स्वच्छता, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने समाज से भी अपील की कि गौसंरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारे की पर्याप्त उपलब्धता, छायादार स्थान, स्वच्छता और पशु चिकित्सा सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि गौसंरक्षण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें जनसहभागिता की भी अहम भूमिका है। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि पशुओं के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भाव हमारी सांस्कृतिक पहचान है। गौशाला में गोवंश को गुड़-चना खिलाकर उन्होंने उनके संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने गौसेवा को मानव सेवा के समान बताते हुए निरंतर सहयोग का संकल्प लिया।

सरकार पर शंकराचार्य अभिमुक्तेश्वरानंद का बड़ा हमला

सत्ताधारियों को बताया काले अंग्रेज, की गौमाता को राष्ट्र माता बनाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद में शंकराचार्य अभिमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग की। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सत्ता में बैठे लोगों को काले अंग्रेज बताया और उन पर पैसे के लिए देश को बेचने का आरोप लगाया।

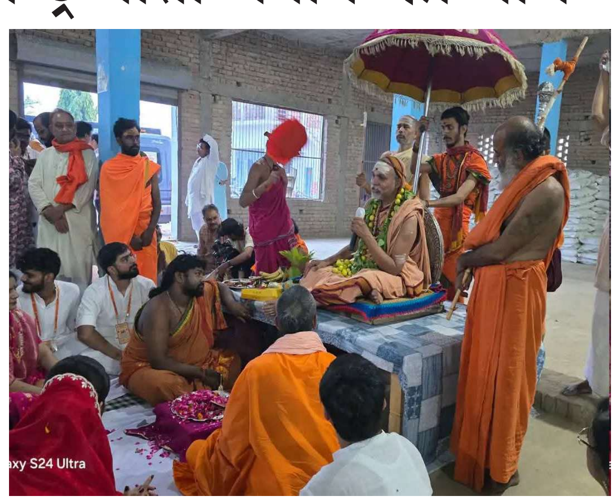

मोहम्मदाबाद कस्बे के नवाबगंज रोड स्थित रोहिला में पूर्व चेयरमैन और उनके समर्थकों ने शंकराचार्य का पुष्प वर्षा और फूल-मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद वे अलावलपुर स्थित दुबे कोल्ड स्टोरेज पहुंचे, जहां श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने उनका भव्य अभिनंदन किया। इस अवसर पर हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शंकराचार्य अभिमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गौमाता सनातन संस्कृति का आधार हैं और उनकी रक्षा करना सभी का परम दायित्व है। उन्होंने जोर दिया कि जनता जिन प्रतिनिधियों को वोट देती है, उनसे गौमाता की रक्षा की अपेक्षा की जाती है, लेकिन इस दिशा में अभी तक पर्याप्त कार्य नहीं हुआ है।

शंकराचार्य ने कहा, सत्ता में बैठे लोग काले अंग्रेज हैं, जो पैसे के लिए देश को बेच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गौमाता की रक्षा के प्रति गंभीर नहीं है और केवल अपने स्वार्थों की पूर्ति में लगी है। शंकराचार्य ने बताया कि वे अगले दिन सुबह 8 बजे लोगों के प्रश्नों के उत्तर देंगे। इसके बाद वे आराम के लिए अपनी वेटरनरी वैन में चले गए। इस अवसर पर हरीश कुमार दुबे, डॉ. जितेंद्र यादव सहित एक सौ से अधिक श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम से कार्यवाही की गुहार लगाई

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। तहसील क्षेत्र के ग्राम सदुपुरा में पैतृक संपत्ति से जुड़े रास्ते को लेकर विवाद सामने आया है गांव निवासी हाकिम सिंह पुत्र सुखलाल ने दिन गुरुवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को एक शिकायती पत्र सौंपकर पड़ोसी पर आम रास्ते को प्रभावित करने का आरोप लगाया है उन्होंने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर शांति व्यवस्था बनाए रखने की मांग की शिकायती पत्र के अनुसार हाकिम सिंह का कहना है कि उनकी पैतृक संपत्ति के समीप लगभग छह फीट चौड़ा रास्ता है जिसका उपयोग वह और उनके परिवार के सदस्य वर्षों से आवागमन के लिए करते आ रहे हैं उनका आरोप है कि पड़ोसी जिनका पहले से पूर्व दिशा में दरवाजा बना हुआ है अब पश्चिम दिशा में स्थित करीब आठ फीट ऊंची दीवार को तोड़कर नया दरवाजा खोलने की तैयारी कर रहे हैं हाकिम सिंह का दावा है कि यदि उक्त स्थान पर नया दरवाजा बनाया जाता है तो आम रास्ता प्रभावित होगा जिस से न केवल उनके परिवार बल्कि आसपास के अन्य लोगों के आवागमन में भी परेशानी उत्पन्न हो सकती है उन्होंने आशंका जताई कि इससे भविष्य में विवाद और बढ़ सकता है तथा गांव का माहौल भी प्रभावित हो सकता है

प्रार्थी ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस कार्य का विरोध किया तो उन्हें धमकियां दी गईं उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया तो स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है और शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका बनी रहेगी शिकायत में उन्होंने एसडीएम से मांग की है कि संबंधित दीवार को तोड़कर नया दरवाजा बनाने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए साथ ही उन्होंने प्रशासन से दोनों पक्षों को सुनकर न्यायसंगत समाधान निकालने की भी अपील की है।वहीं एसडीएम ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कर नियमानु सार उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

डीआईजी व डीएम एसएसपी ने किया कछला घाट का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायू में डीआईजी पुलिस बरेली अजय साहनी, डीएम अवनीश राय एसएसपी अंकिता शर्मा ने कछला घाट पर विभिन्न व्यवस्थाओं के सम्बंध में निरीक्षण कर सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर पुलिस व प्रकाशनिक अधिकारी मौजूद रहे।

आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा के सम्बंध में डीएम ने की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में जिलाधिकारी अवनीश राय ने कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 प्रवेश परीक्षा के संबंध में बैठक की। आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा 08, 09 व 10 जून को जनपद में बनाए गए 15 परीक्षा केदो पर दो-दो पालियों में होगी। कुल 33984 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इस अवसर पर केंद्र व्यवस्थापक, मजिस्ट्रेट व अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

08 जून को आयोजित होगी जिला सैनिक बन्धु की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / आज बदायूँ में लेफ्टिनेंट कर्नल संदीप सिंह (अ0प्रा0), जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, बदायूँ द्वारा जनपद बदायूँ के समस्त भूतपूर्व सैनिकों एवं दिवंगत सैनिकों की विधवाओं को सूचित किया है कि उनकी समस्त समस्याओं के निराकरण हेतु जिला सैनिक बन्धु की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 08 जून 2026 को अपराह्न 12:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार बदायूँ में आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि यदि किसी भूतपूर्व सैनिक अथवा दिवंगत सैनिकों की विधवाओं की कोई समस्या है तो वे अपना प्रार्थना-पत्र दो प्रतियों में 06 जून 2026 को सायं 05:00 बजे तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Do lychees dry out as soon as they're placed in the refrigerator? Keep them fresh and juicy for weeks with these simple hacks.

A few simple hacks can help keep lychees fresh and juicy for longer. With the arrival of summer, the market is flooded with juicy and sweet lychees. As delicious as their flavor is, they spoil just as quickly. Lychees are rich in vitamin C, potassium, and antioxidants, which provide the body with coolness, energy, and the strength to fight illness. However, if stored improperly, they can begin to dry out, darken, or rot within a few days. By following some simple and effective steps, you can keep lychees fresh and safe for longer. Let's learn these tips. How to keep lychees fresh for longer? Don't wash lychees before storing them. Moisture can cause them to rot quickly. Therefore, wash them before eating and leave them in water for a while. Store in the refrigerator with the bunch intact - It's best to store lychees with their stems and bunch intact in the refrigerator. This preserves their freshness and juiciness. Eat older lychees first - Eat ripe, fragrant, and freshly harvested lychees first. This will prevent them from spoiling and ensure fresh lychees last longer. Use a ventilated bag - Don't use airtight containers or jars to store lychees; always use a ventilated bag to keep them ventilated and prevent mold. Check daily - Check the lychees daily. If any lychees are rotting, remove them immediately to prevent the rest from rotting. Store in a cool, dry, and shady place - Store lychees away from sunlight or heat, especially if you don't want to refrigerate them immediately. Store with the peel intact - The lychee peel protects the pulp. Therefore, don't peel the lychee and store it. Always store it with the peel intact. Store in a paper bag - Storing lychees in a paper bag is preferable to plastic bags, as they allow air to pass through and prevent lychees from spoiling quickly. These simple steps can help keep lychees fresh and tasty for longer.

The Haldi Ceremony Isn't Just a Ritual, It's a Science: A Dermatologist Explains Its Logic

The Haldi ceremony at weddings isn't just a cultural tradition; it has a profound scientific basis. The Haldi ceremony is considered a very special and cultural tradition at weddings, but did you know that it's not just a ritual, but turmeric has been used in Indian care, wound healing, and overall what our traditional practices this from Dr. Arzoo Pahwa, a Hospital. Curcumin is a powerful effective element found in turmeric is unique properties—such as anti-properties. Simply put, it can help and fight skin bacteria. Furthermore, sunlight and pollution. This is why to clear, healthy, and glowing skin. the turmeric ceremony, it's not applied ingredients like yogurt, sandalwood, wonderful combination has its own exfoliates the skin. Yogurt: It cools and and irritation. When combined, these improving its texture. This beautiful The connection between happiness, interesting aspect of this ritual is

a profound science behind it? For centuries, homes not only in the kitchen but also for skin health. Modern science is finally confirming understood years ago. Let's learn more about dermatology consultant at Kailash Deepak element in turmeric. The main and most called curcumin. This element is known for its inflammatory, antioxidant, and antimicrobial soothe skin irritation, reduce inflammation, it also protects skin from damage caused by turmeric has always been considered the secret How to achieve that "bridal glow"? During directly to the skin, but is mixed with gram flour, or milk. Interestingly, this unique benefits for the skin: Gram flour: It soothes the skin. Turmeric: It reduces redness ingredients instantly refresh the skin, glow is often referred to as the "bridal glow." peace, and skin: Experts say another related to our emotions. Before a big occasion like a wedding, the Haldi ceremony creates a wonderful atmosphere of joy, connection with loved ones, and relaxation. It's long been observed that stress directly impacts our skin in the form of inflammation and hormonal changes. Therefore, when you feel mentally calm, happy, and safe among loved ones, stress is reduced. This indirectly positively impacts your skin, making it glow. Some precautions are also important: While turmeric is completely natural, that doesn't mean it's 100% risk-free for everyone. Some people with sensitive skin may experience mild irritation or even allergic reactions to turmeric. This is especially true when: Turmeric is mixed with artificial ingredients. It's left on the skin for too long. This is what makes the Haldi ceremony so special and fascinating. It's not just a spectacle, a ritual, or a symbol of beauty. It's a beautiful example of how our centuries-old customs hold practical and profound health wisdom.

Gym-goers, pay attention! New research reveals how much exercise is actually necessary for longevity.

According to a new study, 90-120 minutes of strength training per week can reduce the risk of death from disease by 13%. Did you know that even a little exercise can extend your lifespan? A very important study was recently published According to this study, if you engage in strength from any cause is significantly reduced. Let's in detail. How long is training beneficial? Study training per week is best for health. This amount by 13 percent. If you also include some aerobic multiplied. Effective in heart and nerve diseases- to 120 minutes of strength training also prevents the risk of death due to heart diseases by 19 up to 27 percent has been seen in the risk of death training does not mean more benefit- If you think give more benefit, then it is not so. Researchers more than 120 minutes in a week does not provide about 120 minutes of exercise a week has been 30-year long study - According to the researchers exercise (like running or cycling) were already in reducing the risk of death was not completely the researchers monitored the fitness and repeated

in the British Journal of Sports Medicine. training for a few minutes a week, the risk of death understand the key points related to this research data shows that 90 to 120 minutes of strength of training reduces the risk of death from any cause exercise in your daily routine, its benefits are The most important part of this research is that 90 the risk of serious diseases: Heart disease: It reduces percent. Neurological disease: A huge decline of due to nerve and nerve related diseases. More that going to the gym more or sweating more will have made it clear that doing strength training for any additional benefit. To reduce the risk of death, found to be the most accurate and best. Result of a of Harvard University, the benefits of aerobic known to everyone, but the role of strength training clear till now. To reach this accurate conclusion, resistance training measures of the people for 30 years. The data obtained from three different groups of participants included in this study was analyzed in depth.

"You're talking nonsense," FWICE president hits back at Kangana Ranaut for speaking out in support of Ranveer Singh

Kangana Ranaut recently spoke openly in support of actor Ranveer Singh, prompting a response from the FWICE president. Ashok Pandit made a significant statement, taking aim at Kangana Ranaut: Kangana spoke in support of Ranveer Singh. During the trailer launch of the film "Bharat Bhagya Vidhata" on Tuesday, Kangana Ranaut was asked about the ban imposed on actor Ranveer Singh by the Federation of Western India Cine Employees (FWICE). The actress expressed her support for the veteran actor and also discussed her own ban. FWICE chief Ashok Pandit has now reacted to the matter, opening a front against Kangana. Ashok Pandit lashes out at Kangana - In a recent interview with Hindustan Times, FWICE President Ashok Pandit said regarding Ranveer Singh's ban: "Many people in the Bollywood industry are commenting on this issue without knowing or understanding anything. They have a lot of misunderstandings about the Federation's stance. Many people have started abusing us. I learned that Kangana Ranaut also spoke out on Tuesday. She didn't fully understand the situation and simply commented. She also said that she too has been banned from the industry. So I would like to tell her, you're talking nonsense, that's why I banned you. I don't care what anyone thinks or says about me. This is a very big and serious issue related to the industry, one you can't even fathom. You're just saying random things. Let me be clear, none of us are against Ranveer Singh; we're just trying to resolve the matter." Ban lifted on Ranveer Singh - During a press conference held in Mumbai on Wednesday, Federation of Western India Cine Employees (FWICE) President Ashok Pandit announced that the Federation is lifting the non-cooperation directive imposed on actor Ranveer Singh, which some people were considering a ban.

Gullak 5 OTT Release: Family series brings laughter and fun amidst the daily bickering. When and where will it stream?

The most-awaited family series, Gullak, is finally returning to OTT with its fifth season. The Mishra family is all set to return with a new season. The new installment of this family drama will feature even more humor, emotional moments, and everyday struggles, as the Mishra family remains true to their values ??despite changing times. What's new in the story? The trailer reveals the family entering a new era. The house has been newly painted, and modern amenities like Wi-Fi connectivity are also visible. The drama showcases the charm of everyday life through small incidents, dinner table conversations, witty banter, and heartwarming interactions between family members. When will the fifth season of 'Gullak' release? The fifth season of "Gullak" will release on June 5, 2026, and will be available for streaming on Sony LIV. This new season will see the return of familiar faces, as well as a major casting change, which is expected to play a key role in the story. Casting Changes - Meanwhile, this season also marks a significant casting change. Actor Anant V. Joshi has begun playing the role of Annu Mishra, replacing Vaibhav Raj Gupta, who played the role in previous seasons. The series will continue to star Jameel Khan as Santosh Mishra, Geetanjali Kulkarni as Shanti Mishra, Harsh Mayar as Aman Mishra, and Sunita Rajwar as Bittu's mother, along with Shivankit Singh Parihar, Gopal Dutt, Manuj Sharma, and Helly Shah.

This sensational crime thriller is creating havoc on Netflix, seizing the number one spot within 24 hours of its release.

A crime thriller film is currently making waves on Netflix. After its theatrical release, the film has been trending at number one since its release on OTT platforms and is being well-received by audiences. While many new films are released on OTT platforms every week, only a few manage to capture the hearts and minds of audiences. Today, we're going to tell you about one such crime thriller, released in theaters on April 30th. The crime thriller we're talking about will leave you stunned. Released on OTT platforms less than a month ago, it has already created havoc. Released on OTT platforms less than a month ago, Netflix is ??already buzzing about the story of this cunning thief. We're talking about Dhanush's film, Kara, which has left no stone unturned in capturing audiences' attention. Released on Netflix on May 28th, the film remains a strong force, trending at No. 1. The film's powerful story and performances have consistently generated buzz. What is the story of Kara? Dhanush and Mamta Baiju's chemistry is stellar in the film. The story revolves around the thief Karsaami, aka Kara, played by Dhanush. Kara is a master of his craft and carries out thefts with great cunning and a unique style. While carrying out his final heist, he thinks he'll quit stealing, but tragedy strikes. The film's story isn't limited to theft; it's a woven web of emotions and revenge that keeps viewers hooked until the end. You can watch "Kara" on Netflix in Tamil, Hindi, Kannada, Telugu, and Malayalam. It has a rating of 7.1 out of 10 on IMDb.